ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

मा विभेर्न मरिष्यसि। अथर्ववेद-5/30/8
हे आत्मन्! डर मत, तू मरेगा नहीं।
O soul! be not araid ! you will not die.

वर्ष 38, अंक 17 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 9 मार्च, 2015 से रविवार 15 मार्च, 2015
विक्रमी सम्वत् 2071 सृष्टि सम्वत् 1960853115
दयानन्दाब्द : 192 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 4
फैक्स : 23365959 ई-मेल :aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में समस्त आर्य समाजों एवं आर्य संस्थाओं के सहयोग से
13वां आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह-हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

अनूठे संगम में शामिल हुए 28 दिन के बालक से 92 वर्ष के वयोवृद्ध

शास्त्रार्थ महारथी पं. रामचंद्र देहलवी के जीवन पर आधारित नाटिका को देख भाव-विभोर हुए दर्शक

''घर-घर यज्ञ-हर घर यज्ञ'' योजना का हुआ उत्साहपूर्वक शुभारंभ

योजना की विस्तृत जानकारी अगले अंक में प्रकाशित की जाएगी

आर्य परिवार होली मंगल मिलन समारोह की ओर से नव सस्येष्टि यज्ञ कराते यज्ञ ब्रह्मा डा. वेदपाल जी, इस अवसर पर वरिष्ठ आर्य परिवार के सदस्य श्री पद्म भूषण श्री बृजमोहन लाल मुंजाल जी को सपत्नीक सम्मानित करते महाशय धर्मपाल जी, साथ में हैं श्री अरुण प्रकाश वर्मा, श्री योगेश मुंजाल, श्री राजेंद्र जी, साध्वी उत्तमायति एवं श्री योगेश आर्य जी।

आर्य परिवार होली मंगल-मिलन कार्यक्रम का दूरदर्शन - डी.डी. नेशनल पर 14 मार्च शनिवार सायं 18:45 - 19.00 बजे तक कला-परिक्रमा कार्यक्रम में प्रसारित होगा। कार्यक्रम देखने के लिए कृपया सभी को सूचित करें।

समारोह में आए सबसे कम आयु, सबसे अधिक आयु सबसे अद्यतन नव विवाहित जोड़े को दिए प्रशस्ति पत्र

प. रामचंद्र देहलवी के वंशजों का किया सम्मान

....विस्तृत समाचार एवं चित्रमय झांकी अगले अंक में

वेद स्वाध्याय

प्राणों से प्यारे! हमारा सदैव कल्याण करो

ऋषिः – मछुच्छन्दाः ।। **देवता–** अग्निः ।। **छन्दः–** गायत्री।।

शब्दार्थ– अङ्ग–हे प्यारे! **अङ्गिरः–** मरे **जीवनसार अग्ने–** प्रकाशकदेव! **यत् त्वम्–** जो **तू दाशुषे–आत्म–** बलिदान करने वाले का भद्रम–कल्याण **करिष्यसि–** करता है तत्–वह तव–तेरा सत्यं इत्– न टलनेवाला नियम है।

विनय – हे प्रकाशमय देव! यह सच है कि स्वार्थत्यागी का कल्याण ही होता है, परंतु संसार में ऐसा दिखाई नहीं देता। संसार में तो दीखता है कि स्वार्थ विजय पर विजय पा रहे हैं, दूसरों पर अत्याचार कर रहे हैं और स्वार्थ त्यागी पुरूष सताये जा रहे हैं, परंतु हे मेरे प्यारे देव! हे मेरे जीवनसार! आज मैं तेरी परम कृपा से सूर्य की भांति यह स्पष्ट देख रहा हूं कि आत्म–बलिदान

यदङ्ग दाशुषे त्वमग्ने भद्रं करिष्यसि।
तवेत्तत् सत्यमङ्गिरः।। ऋ॰ 1–1–6

करने वाले का तो सदा कल्याण ही होता है। इसमें कुछ संशय नहीं रहा, यह अटल है, बिल्कुल स्पष्ट है। संसार की ये प्रतिदिन की उल्टी दिखाई देने वाली घटनाएं भी आज मेरी खुली आंखों के सामने से इस प्रकाशमान सत्य को छिपा नहीं सकती कि आत्मसमर्पण करने वाले के लिए कल्याण ही कल्याण है। मैं देखता हूं कि संसार में चाहे कभी सूर्य टल जाए, ऋतुएं बदल जाएं, पृथिवी उलटी घूमने लग जाए और सब असंभव हो जाए, परंतु तेरा यह सत्य अटल है कि आत्म–बलिदान करने वाले का अकल्याण कभी नहीं हो सकता– ''नहि कल्याणकृत् कश्चिद् दुर्गतिं तात गच्छति'' हे प्यारे! कल्याण करने वाला कभी दुर्गति को नहीं प्राप्त होता–कृष्ण भगवान के गाये हुए यैसान्त्वनामय शब्द परम सच्चे हैं। हे जीवन के जीवन! जब मनुष्य स्वार्थ को त्यागता है, आत्म बलिदान करता है तो उस त्याग व बलिदान द्वारा हे कल्याण स्वरूप! वह केवल तेरे और अपने बीच की रूकावट का ही त्याग करता है, निवारण करता है और तेरे कल्याण स्वरूप को पाता है। भला, आत्म–बलिदान में अकल्याण का अवकाश ही कहां है? सचमुच, स्वार्थ शून्य पवित्र पुरूषों पर आये हुए कष्ट, दुःख, आपत् सब क्षणिक होते हैं। उनके संबंध में जो अक्षणिक है, सत्य है, अटल है, वह तो उनका कल्याण है।

–आचार्य अभय देव, साभार–वैदिक विनय

पं. रामचंद्र देहलवी के जीवन से संबन्धित प्रेरक प्रसंग

महर्षि दयानन्द सरस्वती की विचारधारा का प्रखरमना, शास्त्रार्थ एवं तर्क पूर्ण प्रमाणों के माध्यम से प्रचार–प्रसार करने वाले पं. राम चन्द्र देहलवी आर्य समाज के एक स्तम्भ के रूप में जाने जाते हैं। धर्म के मर्मज्ञ, सुविख्यात वक्ता संघर्षशील प्रेरक एवं सादगी पूर्ण जीवन, समर्पण मूल्यों के आधार पर विरोधी पक्ष पर विजय प्राप्त करने वाले महामना का जन्म एक धर्म परायण परिवार में हुआ। आर्यजनों को प्रेरणा मिले और आर्य समाज के प्रचार–प्रसार की गति बढ़े इसी उद्देश्य से उनके जीवन के कुछ प्रसंगों को यहां प्रस्तुत किया जा रहा है। – संपादक

एक दिन बालक रामचन्द्र पिता के साथ शिवरात्रि के दिन मंदिर में पूजार्थ जा रहे थे, मार्ग में उन्होंने एक विचित्र वाक्य सुना, कुछ भक्त लोग उच्चारण कर रहे थे कि 'दे सवा लाख की एक चौथाई' –'दे सवा लाख की एक चौथाई'। बालक ने पूछा– पिताजी! यह कैसी आवाज है ? पिताजी ने कहा– बेटा ! ये लोग भगवान से वरदान माँग रहे हैं। –इस तरह, हाँ बेटा ! – आज भगवान शिव भांग के नशे में हैं, इनको आज सवा लाख वरदान देंगें, वास्तव में तो ये उस से एक चौथाई ही माँग रहे हैं। अब देखो इस प्रकार इन पर भगवान का एक चौथाई ही कर्ज चढ़ेगा और मिलेंगे सवा लाख। पिताजी ! मनुष्य कितना नादान है। भगवान को भी नही छोड़ा। बेटा ! इनको यही ठीक लगता होगा। पिताजी, लेकिन सत्य नहीं है। बेटा, छोड़ इन बातों को चल तू भी पूजा कर ले। पिता. जी, मैं तो एक ओर लगा हूँ जो सत्य है उसे मानता हूँ और चलूंगा भी उसी पर ही। लेकिन बेटा, भगवान की पूजा करने में क्या जाता है ? क्या पता, कहां से, क्या मिल जाए ? पिताजी सत्य पर अडिग विश्वास न होना ही हमारी निर्बलता का कारण है। मैंने आर्य समाज में विद्वानों से सुना है और समझा है कि महर्षि दयानन्द सरस्वती ने सच्चे शिव की खोज में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया, हमें सत्य ज्ञान का भण्डार दे दिया और आप ———! बेटा, जिसे जो सही लगता है व वही करता है। पिताजी , ये सब बाते वेद आज्ञाओं के विरुद्ध हैं। ईश्वर एक है और वह हमें हमारे कार्यो के अनुसार फल अवश्य देता है। :– नोट '' एकेश्वरवाद के सिद्धांत को पंडित जी ने अच्छी प्रकार समझा और जीवन के कटु अनुभवों को पार करते हुए धैर्यपूर्वक आगे बढ़ते गए।'' अन्य प्रसंग –1 एक बार पंडित जी शास्त्रार्थ के लिए हैदराबाद जा रहे थे तो रेलगाड़ी में बैठ गए। उनके पास एक मौलवी भी बैठे थे, उनको हाव, भाव से समझने में देर न लगी कि ये वही महानुभाव हैं जिनसे मेरा शास्त्रार्थ होना है। पंडित जी ने वार्तालाप प्रारंभ करते हुए मौलवी जी से पूछा कि आज क्या दिन है? मौलवी साहब ने उत्तर दिया कि आज जुमे रात है। पं. जी ने फिर पूछा कि आज क्या दिन है? मौलवी जी ने फिर वही उत्तर दिया कि आज जुमेरात है।, पं. जी ने कहा कि मैं तुमसे दिन पूछ रहा हूँ। और तुम रात बता रहे हो, इस प्रकार का उत्तर पाकर मौलवी जी समझ गए कि इन्हीं से मेरा शास्त्रार्थ है और अपनी प्रथम ही पराजय समझकर अपने नियत स्टेशन से पूर्व ही रेलगाड़ी से उतर गए। पंडित जी –2 एक बार पंडित जी ने अपने श्वसुर से कुरान पढ़ने की इच्छा व्यक्त की तो उन्होंने एक मौलवी से उनका सम्पर्क कराया, मौलवी ने पंडित जी से पूछा कि आप कुरान क्यों पढ़ना चाहते हो ? तो उन्होंने कहा कि सत्य की खोज के लिए। यह सुनकर मौलवी जी प्रसन्न होते हैं लेकिन एक हिन्दू को कुरान पढ़ाने के लिए अपने सम्प्रदाय के विरोध के कारण असमर्थता जताते है। पं. जी ने कहा यह व्यवस्था मैं अपने घर पर कर दूँगा, लेकिन अपाहिज होने के कारण मौलवी जी ने आने जाने के लिए इन्कार कर दिया लेकिन पंडित जी की निष्ठा एवं लगन ने इस समस्या को सरल बना दिया। रात्रि में सब के सो जाने पर मौलवी को अपनी पीठ पर ले जाते कुरान का अध्ययन करते। प्रातः 4 बजे पुनः मौलवी जी को छोड़ने जाते थे। पं. जी ने कुरान को पढ़ा ही नहीं उसे कण्ठस्थ कर लिया। मौलवी जी कह उठे कि मैंने बहुतों को कुरान की तालीम दी, लेकिन मुझे ऐसा शागिर्द नहीं मिला। इस प्रकार सर्वत्र वैदिक धर्म की दुन्दुभि का नाद गर्जन किया। उन दिना. दिल्ली के फव्वारा चौक गांधी मैदान में विभिन्न मतानुयायी सप्ताह के अलग–अलग दिनों में अपने मत के पक्ष में व्याख्यान किया करते थे, पं. जी भी इन व्याखानों को सुनने के लिए जाया करते थे वहाँ पर वैदिक धर्म के व्याख्याता को न देखकर उन्हें पश्चाताप होता और इसी पर विचार करते हुए स्वयं को धिक्कारते। एक दिन पुलिसकर्मी से मिलकर सप्ताह में अपने दो व्याख्यान उन्होनें नियत कराये। वैदिक धर्म एवं दर्शन पर वे प्रवचन करते और लोगों की शंकाओं का समाधान करते थे। वहां पं. जी के सप्ताह के सभी दिनों में व्याख्यान होने लगे और इस नियम को निरन्तर उन्होनें 15 वर्षो तक निभाया।

एक बार उनके प्रवचन का समय हो रहा थ, लोग बेसब्री से उनका इन्तजार कर रहे थे कि समय से पूर्व पहुँचने वाले पंडित जी को आज क्या हो गया ? कि अब तक नहीं पहुँचे ! लोगों के पूछने पर उन्होंने कहा कि मैं आज आपके प्रश्नों का उत्तर नहीं दूँगा, क्योंकि आज मेरी गाड़ी का एक पहिया टूट गया है।(जीवन साथी बिछड़ गया श्रोताओं ने पूछा कि ऐसा कब .....**शेष पेज 4 पर**

इन प्रकाशित प्रसंगों के आधार पर होली मंगल मिलन समारोह में एक नाटिका प्रस्तुत की गई थी। इसको आप अपने आर्य समाज के उत्सव में भी प्रस्तुत कर सकते हैं। इस नाटिका के वाद संवाद की सीडी एवं होली मंगल मिलन समारोह की सीडी सभा के विक्रय विभाग में उपलब्ध है। इसको प्राप्त करने के लिए आप विजय आर्य जी (9540040339) से संपर्क करें।

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण
(द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

• प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36=16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
• विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36=16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
• स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30=8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

टंकारा से लौटे आर्य दल का किया सम्मान

महर्षि दयानन्द की जन्मभूमि टंकारा में आयोजित ऋषि बोधोत्सव में शामिल हुए प्रतिनिधियों का आर्य समाज जिला सभा द्वारा आर्य समाज विज्ञान नगर में माल्यार्पण कर स्वागत व सम्मान किया गया।

अरविंद पाण्डेय
कार्यालय मंत्री

आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल तथा आर्य समाज आसनसोल का संयुक्त वार्षिकोत्सव 2015 संपन्न

आर्य प्रतिनिधि सभा बंगाल तथा आर्य समाज आसनसोल का सम्मिलित वार्षिकोत्सव 22 फरवरी 2015 विधिवतरूप से संपन्न हो गया। वार्षिकोत्सव का प्रारंभ 16 फरवरी को एक भव्य शोभायात्रा के साथ प्रारंभ हुआ। डी.ए.वी हायर सैकेण्डरी स्कूल, आर्य कन्या उच्च विद्यालय तथा दयानंद विद्यालय के छात्र छात्राओं, शिक्षकों तथा शहर के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। छात्र–छात्राओं की क्विज प्रतियोगिता में विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री तापस बनर्जी विधायक आसनसोल तथा श्री विनीत गोयल, कमिश्नर ऑफ पुलिस, आसनसोल एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी तथा राजनेता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सन् 2014 में आर्य कन्या उच्च विद्यालय को वर्द्धमान जिले का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय होने का पुरस्कार प्रदान किया गया है। परोपकारिणी सभा अजमेर से पधारे कार्यकारी प्रधान डॉ. धर्मवीर ने वैदिक धर्म से जुड़े अपने प्रवचनों के माध्यम से लोगों को बाँधे रखा वहीं समस्तीपुर से पधारे श्री कपिल शर्मा के सुमधुर भजनों ने लोगों को झूमने पर विवश कर दिया। **उमाशंकर प्रसाद**

फिस्टा क्विज प्रतियोगिता का उद्घाटन

पुस्तकीय शिक्षा छात्र जीवन में आवश्यक है, लेकिन साथ ही पाठ्यक्रम से अतिरिक्त जीवन में, समाज में होने वाली घटनाओं तथा अन्य जानकारी से अवगत होना भी आवश्यक है। गुरूकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के प्रबंधन संकाय में आयोजित छठी फिस्टा क्विज प्रतियोगिता के उद्घाटन सत्र में सचिव प्रो. विनोद कुमार बोल रहे थे। सभा अध्यक्ष डा. सतीश धमीजा ने कहा कि छात्र जीवन में खेल प्रतियोगिता आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन डा. राहुल भारद्वाज एवं विभूति जनदेव व सुश्री दीक्षा शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालयों/कालेजों से आई 87 टीमों ने भाग लिया, जिसमें प्रथम पुरस्कार हेमवंती नंदन गढ़वाल विश्वविद्यलय श्रीनगर के अजय कुमार व रजत शर्मा को रुपये 2500 प्रति छात्र प्रदान किए। **–डा. प्रदीप कुमार जोशी, जनसंपर्क अधिकारी।**

प॰ लेखराम बलिदान दिवस समारोह सम्पन्न

आर्यवीर दल त्रिनगर के तत्त्वावधान में प॰ लेखराम जी के बलिदान दिवस पर ''गीतांजलि'' का आयोजन आर्यसमाज त्रिनगर के प्रांगण में किया गया। रविवार 1 मार्च 2015 को साप्ताहिक यज्ञ के पश्चात भजनों के माध्यम से प॰ लेखराम जी को श्रद्धांजलि दी गई। मंच संचालन करते हुए आर्यवीर दल अधिष्ठाता बृजेश आर्य ने प॰ लेखराम जी के जीवन की प्रमुख घटनाओं पर प्रकाश डाला और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आर्य समाज के समर्पित सिपाही श्री देवीदयाल आर्य का शाल उढ़ाकर अभिनंदन किया गया। आर्य परिवारों के ही सदस्यों द्वारा भजन प्रस्तुति का अभिनव प्रयास किया गया जो श्रोताओं द्वारा अत्यंत सराहा गया। सभी भजन गायकों को प॰ लेखराम जी के जीवन–चरित्र की पुस्तकें भेंट की गइ। **–बृजेश आर्य**

अर्जुन देव चड्ढा सम्मानित

स्वच्छ भारत अभियान के अर्न्तगत नए कोटा में स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल द्वारा विद्यालयों की सामूहिक रैली निकाली गई। विद्यालय के सभा भवन में कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ समा. जसेवी व आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्ढा को विधायक प्रहलाद गुंजल व महापौर महेश विजय ने स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। **–अरविन्द पाण्डेय, सचिव**

वैदिक पुरोहित चिंतन शिविर संपन्न

गुजरात प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से आर्य समाज कांकरीया अहमदाबाद में संपूर्ण गुजरात भर के वैदिक पुरोहितों को एक सूत्र में लाने एवं विवाहादि सोलह संस्कारों में एक रूपता लाने हेतु चिंतन–शिविर रखा गया था, जिसकी अध्यक्षता गुजरात प्रांतीय के प्रधान श्री सुरेश चंद्र जी अग्रवाल कर रहे थे एवं प्रांतीय सभा के महामंत्री श्री हंसमुखभाई परमार ने कार्यक्रम का संचालन व मार्गदर्शन किया।

इस शुभावसर पर गुजरात विश्व विद्यालय प्रोफेसर श्री कमलेश कुमार शास्त्री मुख्यातिथि व मार्ग दर्शक थे। उन्होंने पुरोहितों को कहा कि आप समाज के अभिन्न अंग हैं जिस संस्कार व अनुष्ठान को करने जा रहे हैं, उसके महत्त्व को अवश्य बतायें क्योंकि आप समाज के दर्पण हैं मार्ग दर्शक हैं, इसीलिए आप समय परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को आकर्षक व रूचिकर बनायें। परिधान में एकरूपता रहे इस बात को ध्यान में रखकर उपस्थित पुरो. हितों को एक समान परिधान प्रदान किए।

–पं दिवाकर शास्त्री

आर्य समाज मॉडल टाउन में पुस्तक का विमोचन

आर्य समाज मॉडल टाउन लुधियाना में डा. अनु शर्मा कौल द्वारा लिखित आर्य समाज की हिंदी सेवा की दिग्दर्शिका पुस्तक **'पंजाब के हिंदी साहित्य को आर्य समाज का योगदान'** का विमोचन आर्य समाज के उपप्रधान श्री राजेंद्र जी सपाल एवं स्त्री आर्य समाज की प्रधाना डा. सुमन शारदा जी ने अतिथियों के साथ धूमधाम से किया।

सर्वप्रथम यज्ञ द्वारा मंत्रोच्चारण की मंगल ध्वनि से परमपिता परमात्मा से सर्वमंगल की कामना व्यक्त की गई। डा. अनु शर्मा ने कहा कि उन्होंने इस पुस्तक के माध्यम से वैदिक साहित्य एवं अहिंदीभाषी क्षेत्र पंजाब में रचित आर्य समाजी विचारधारा से अनुप्राणित साहित्य को सूत्रबद्ध करने का प्रयास किया है।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं पुरस्कार वितरण समारोह

श्री छोटूसिंह आर्य धमार्थ हॉस्पिटल के तत्त्वावधान में 26 फरवरी से 1 मार्च 2015 तक श्री बी.सी. साहू, जयपुर ग्रामीण आंचलिक बैंक वर्तमान रजिस्ट्रार ज्योति राव फूले यूनिवर्सिटी की अध्यक्षता में सम्मान एवं पुरस्कार वितरण तथा निःशुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम प्रातः 8:00 बजे यज्ञ से प्रारंभ हुआ।

शारदा देवी छोटू सिंह आर्य चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संस्थाओं में से सर्वश्रेष्ठ अध्यापिका श्रीमती मंजू शर्मा प्रधानाचार्या, आर्य बा.उ.मा.वि. हसन खाँ मेवाती नगर, अलवर को तथा आर्य व उ.मा. वि. स्वामी दयानन्द मार्ग में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में 19 छात्राओं को आर्य कन्या विद्यालय समिति द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। शिविर में लगभग 345 रोगियों को निःशुल्क जाँच व दवाई दी।

डॉ. देशबन्धु गुप्ता– मुख्य चिकित्सा एवं स्वा. अधि. (से.नि.) डॉ. डी.सी. शर्मा जिला मातृ शिशु एवं डॉ. गोपाल गुप्ता नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. इन्दु गुप्ता वरिष्ठ महिला चिकित्सक डॉ. बी.एल. सैनी होम्योपेथी आदि ने अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान की।

प्रदीप आर्य
प्रधान

शोक समाचार

श्री सराद राम जी आर्य का निधन

आर्य समाज झण्डीचौड़ पूर्वी के संस्थापक, वयोवृद्ध सामाजिक कार्यकर्त्ता श्री सराद राम जी आर्य का निधन 24 जनवरी को हुआ इनकी आयु 105 वर्ष थी। इनका अंतिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति द्वारा किया गया। इनकी शवयात्रा पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं विद्वान उपस्थित हुए।

पंडित रामदेव शर्मा को मातृ शोक

आर्य समाज कोटा के विद्वान पंडित रामदेव शर्मा की पूज्य माताश्री 95 वर्षीय श्रीमती शकुन्तला शर्मा का आकस्मिक निधन हो जाने पर आज किशोरपुरा मुक्तिधाम पर पूर्ण वैदिक विधि से अंतिम संस्कार किया गया। माता श्रीमती शकुन्तला देवी शर्मा को उनके पुत्रों पंडित रामदेव शर्मा, अमरदेव शर्मा, सहदेव शर्मा ने मुखाग्नि दी। उनकी शवयात्रा में आर्यजन, परिवार जन, समाजसेवी व अन्य लोग उपस्थित थे ।

सत्य प्रकाश मेंहदीरत्ता जी का निधन

आर्य प्रतिनिधि सभा हि0 प्र0 के भूतपूर्व प्रधान, उच्च कोटि के कर्मठ कार्यकर्त्ता, श्रेष्ठ विचारक, महर्षि दयानन्द के अनन्य भक्त, विद्वान, वैदिक विचारधारा से ओत प्रोत श्री सत्य प्रकाश मेंहदीरत्ता जी का निधन दिनांक 22.02.2015 को उनके गृह पर पिंजौर में हो गया। वे लम्बे समय से आर्य समाज से जुड़े रहे और आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश की स्थापना में उनका श्रेष्ठ एवं पवित्र योगदान रहा। उनके निधन से आर्य जगत की अपूरणीय क्षति हुई है जिसे भविष्य में पूरा किया जाना संभव नहीं है।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्य संदेश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को सद्गति एवं शोक–संतप्त परिजनों को इस दारूण दुःख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करें। –सम्पादक

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 9 मार्च से रविवार 15 मार्च, 2015

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान् रोड, नई दिल्ली–110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)–11/6071/2015–2017

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 12/13 मार्च, 2015

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं0 यू0 (सी0) 139/2015–2017

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथिः बुधवार 11 मार्च, 2015

महिला दिवस के अवसर पर आर्यसमाज ने किया समारोह पूर्वक महिलाओं का सम्मान

आधुनिक युग में महर्षि दयानन्द ने सर्वप्रथम महिलाओं को दिलाया समानता का अधिकार। उक्त विचार अग्निमित्र शास्त्री ने विश्व महिला दिवस के अवसर पर आयोजित आर्यसमाज के कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि स्वामी दयानन्द ने स्त्री शिक्षा पर सर्वाधिक जोर दिया तथा उन्हें वेद पढ़ने का अधिकार दिलाया। इसी का परिणाम है कि आज महिलाएं पुरूषों के समान कथा प्रवचन कर रही हैं। वैदिक विद्वान पं. वृद्धिचंद शास्त्री ने कहा कि वेद ने महिला एवं पुरूष दोनों को बराबर अधिकार दिये हैं। विवाह संस्कार के अवसर पर बोले जाने वाले मंत्रों में स्त्रियों के अधिकारों का उल्लेख किया गया है। आर्य समाज को ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के लिए अभी ओर अधिक जागरूकता कार्य करने की आवश्यकता है। इस समारोह में विभिन्न क्षेत्र की 43 महिलाओं का सम्मान आर्यसमाज की श्रीमती प्रियम्वदा धूत, श्रीमती मानकंवर बलदुआ, श्रीमती गायत्री दुबे एवं श्रीमती सीता बाहेती ने माला पहनाकर स्वागत किया तथा उपहार भेंट किये। आर्यसमाज विज्ञाननगर के प्रधान जे.एस.दुबे ने आगन्तुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया। साथ ही नारी को अबला नहीं सबला बतलाया गया। शांतिपाठ एवं ऋषि जयघोष के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

मंत्री
राकेश चढ्डा

प्रतिष्ठा में,

11वें वैवाहिक परिचय सम्मेलन का आयोजन

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में 11 वां वैवाहिक आर्य युवक–युवती परिचय सम्मेलन 3 मई 2015 को आर्य समाज विवेक विहार नई दिल्ली में आयोजित होगा। समस्त आर्य परिवारों से निवेदन है कि अपने विवाह योग्य हो चुके पुत्र–पुत्रियों एवं संबंधियों का पंजीकरण अवश्य करवाएं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 अप्रैल है। रजिस्ट्रेशन फार्म **www.thearyasamaj.org** से भी डाउनलोड किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन शुल्कमात्र –200 रुपये है। सम्मेलन स्थल पर तत्काल पंजीकरण की भी सुविधा उपलब्ध होगी।

एस.पी. सिंह
संयोजक, दिल्ली

'आस्था' पर प्रेरक वैदिक प्रवचन – प्रतिरात्रि : 9:30 बजे

प्रत्येक सोमवार एवं मंगलवार	– आचार्य ज्ञानेश्वरार्य	(प्रेरक–प्रवचन)
प्रत्येक बुधवार	– डॉ0 कमलेश कुमार अग्निहोत्री	(प्रेरक–प्रवचन)
प्रत्येक गुरुवार	–डॉ0 विनय विद्यालंकार	(व्यक्तित्व–विकास)
प्रत्येक शुक्रवार व शनिवार	– डॉ0 वागीश आचार्य	(प्रेरक प्रवचन)

108 कुंडीय यज्ञ संपन्न

केरल के मल्लापुरम में आचार्य एमआर राजेश के द्वारा यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें 108 यज्ञ कुंडों पर यजमानों ने व्यक्तिगत रूप से यज्ञ की व्यवस्था की। सस्वर वेद मंत्रों के उच्चारण से वातावरण को पवित्र करने वाला माहौल बना हुआ था। यह मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है।

आचार्य एम.आर. राजेश

स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान भवन में यज्ञ प्रारंभ

नया बाजार लाहोरी गेट स्थित स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती बलिदान भवन में प्रत्येक माह के दूसरे शनिवार को सायं 4:00 बजे यज्ञ किया जाएगा। आप सब इष्ट मित्रों सहित यज्ञ में उपस्थित हो यज्ञ, धर्म और वेद प्रचार में सहभागिता प्रदान करें।

श्री अरुण प्रकाश वर्मा

पृष्ठ 2 का शेष

हुआ, ? उन्होंने उत्तर दिया कि आज दोपहर। सबने आश्चर्यचकित होकर पूछा कि ऐसे समय में भी आप यहॉ तो पं. जी ने कहा कि यहाँ पहुँचना भी मेरा कर्त्तव्य था और वह मेरा धर्म है। इसलिए दोनों में से किसी का भी त्याग नहीं कर सकता, अब सन्ध्या का समय हो रहा है, मुझे धर्मपत्नी का अंतिम संस्कार भी करना है।

इस प्रकार अनेक कठिनाइयों को सहन करते हुए कर्त्तव्य पालन, निष्ठा, धर्म और साहस के साथ उन्होंने आर्य समाज उत्थान में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। वैदिक धर्म और संस्कृति के प्रचार प्रसार में मृत्यु पर्यन्त संघर्षशील रहे।

सम्पादक, मुद्रक एवं प्रकाशक धर्मपाल आर्य ने दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए हरि हर प्रैस, ए–29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र–1, नई दिल्ली–28 से छपवाकर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15–हनुमान रोड, नई दिल्ली–1, टैलीफैक्स : 23360150, 23365959, E-mail : aryasabha@yahoo.com से प्रकाशित किया।

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ0 ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह